International Federation of Library Associations and Institutions

unesco Information for All Programme

इफ्ला-यूनेस्को सार्वजनिक पुस्तकालय घोषणापत्र 2022

स्वतंत्रता, समृद्धि, और समाज और व्यक्तियों का विकास मूलभूत मानवीय मूल्य हैं। उन्हें केवल अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सूचित नागरिकों की क्षमता के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। सार्थक भागीदारी और लोकतंत्र का विकास युक्त शिक्षा के साथ-साथ ज्ञान, विचार, संस्कृति, और सूचना की मुफ्त और असीमित उपलबधता पर निर्भर करते हैं।

सार्वजनिक पुस्तकालय, जो ज्ञान का स्थानीय प्रवेश द्वार है, आजीवन सीखने, स्वतंत्र निर्णय लेने, और व्यक्तिगत और सामाजिक समूहों के सांस्कृतिक विकास के लिए एक बुनियादी स्थिति प्रदान करता है। यह वाणिज्यिक, तकनीकी, या कानूनी बाधाओं के बिना, वैज्ञानिक और स्थानीय ज्ञान सहित सभी प्रकार के ज्ञान तक पहुँच प्रदान करके, उसके निर्माण और उसे साझा करने के लिए सक्षम बनाकर, स्वस्थ ज्ञान समाजों को सक्रिय करता है।

हर देश में, विशेष रूप से विकासशील देशों में, पुस्तकालय यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि शिक्षा के अधिकार तथा ज्ञान समाजों और समुदाय के सांस्कृतिक जीवन में भागीदारी की अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच हो।

यह घोषणापत्र शिक्षा, संस्कृति, समावेश, और सूचना के लिए एक जीवित शक्ति के रूप में तथा संधारणीय विकास और सभी व्यक्तियों के मन के माध्यम से शांति और आध्यात्मिक कल्याण की व्यक्तिगत पूर्ति के लिए एक आवश्यक एजेंट के रूप में सार्वजनिक पुस्तकालय में यूनेस्को के विश्वास को प्रकाशित करता है।

अतः यूनेस्को राष्ट्रीय और स्थानीय सरकारों को सार्वजनिक पुस्तकालयों के विकास का समर्थन करने और सक्रिय रूप से उसमें कार्यरत होने के लिए प्रोत्साहित करता है।

सार्वजनिक पुस्तकालय

सार्वजनिक पुस्तकालय सूचना का स्थानीय केंद्र है, जो अपने उपयोगकर्ताओं के लिए सभी प्रकार के ज्ञान और सूचनाओं को आसानी से उपलब्ध कराता है। यह ज्ञान समाजों का एक अनिवार्य अंग है, जो सभी लोगों के लिए सूचना तक सार्वभौमिक पहुँच प्रदान करने और उसके सार्थक उपयोग को सक्षम करने के अपने अधिदेश को पूर्ण करने के लिए संचार के नए साधनों को लगातार अपना रहा है। यह ज्ञान के उत्पादन, सूचना और संस्कृति के आदान-प्रदान, और नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक सुलभ स्थान प्रदान करता है।

पुस्तकालय समुदाय के निर्माता हैं, जो सक्रिय रूप से नए समूहों तक पहुँचते हैं और प्रभावी श्रवण का उपयोग कर उन सेवाओं के डिजाइन का समर्थन करते हैं जो स्थानीय जरूरतों को पूरा करती हैं और जीवन की गुणवत्ता के सुधार में

योगदान देती हैं। जनता का अपने पुस्तकालय में विश्वास है, और बदले में, यह सार्वजनिक पुस्तकालय की अभिलाषा है कि वह अपने समुदाय को सक्रिय रूप से सूचित और जागरूक रखे।

सार्वजनिक पुस्तकालय की सेवाएं उम्र, जातीयता, लिंग, धर्म, राष्ट्रीयता, भाषा, सामाजिक स्थिति, और अन्य किसी विशेषता की परवाह किये बिना सभी के लिए पहुँच की समानता के आधार पर प्रदान की जाती हैं। उन उपयोगकर्ताओं के लिए विशिष्ट सेवाएं और सामग्री प्रदान की जानी चाहिएं जो, किसी भी कारण से, नियमित सेवाओं और सामग्रियों का उपयोग नहीं कर सकते; उदाहरणवश भाषाई अल्पसंख्यक, विकलांग जन, वे जन जिनका डिजिटल और कंप्यूटर कौशल अथवा साक्षरता क्षमता सिमित हैं या वे जन जो अस्पताल या जेल में हैं।

सभी आयु वर्गों को अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप सामग्री मिलनी चाहिए। संग्रहों और सेवाओं में सभी प्रकार के उपयुक्त मीडिया और आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ पारंपरिक सामग्री शामिल होनी चाहिए। उच्च गुणवत्ता, स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों के लिए प्रासंगिकता, और समुदाय की भाषीय और सांस्कृतिक विविधता दर्शाना मूल हैं। सामग्री वर्तमान प्रवृत्तियों और समाज के विकास के साथ-साथ मानव प्रयास और कल्पना की स्मृति को दर्शाती हो।

संग्रह और सेवाएं किसी भी प्रकार की वैचारिक, राजनीतिक, या धार्मिक सेंसरशिप अथवा व्यावसायिक दबावों के अधीन नहीं होनी चाहिए।

सार्वजनिक पुस्तकालय के मिशन

निम्नलिखित प्रमुख मिशन, जो सूचना, साक्षरता, शिक्षा, समावेशिता, नागरिक भागीदारी, और संस्कृति से संबंधित हैं, सार्वजनिक पुस्तकालय की सेवाओं के केंद्र में होने चाहिएं। इन प्रमुख मिशनों के माध्यम से, सार्वजनिक पुस्तकालय संधारणीय विकास लक्ष्यों तथा अधिक न्यायसंगत, मानवीय, और संधारणीय समाजों के निर्माण में योगदान करते हैं।

- सेंसरशिप से मुक्त विस्तृत जानकारी और विचारों तक पहुँच प्रदान करना, सभी स्तरों पर औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा के साथ-साथ आजीवन सीखने का समर्थन कर जीवन के सभी चरणों में लोगों के लिए ज्ञान की सतत, स्वैच्छिक, और स्व-संचालित उपलब्धि को सक्षम करना;
- व्यक्तिगत रचनात्मक विकास के अवसर प्रदान करना, और कल्पनाशीलता, रचनात्मकता, जिज्ञासा, और सहानुभूति को उत्तेजित करना;
- जन्म से वयस्कता तक बच्चों में पढ़ने की आदतें उत्पन्न और मजबूत करना;
- एक सूचित, लोकतांत्रिक समाज को तैयार करने की भावना से, पढ़ने और लिखने के कौशल का निर्माण करने के लिए, साक्षरता गतिविधियों और कार्यक्रमों की शुरुआत करना, समर्थन करना, और उनमें भाग लेना, और सभी उम्र के लोगों के लिए मीडिया और सूचना साक्षरता तथा डिजिटल साक्षरता कौशल के विकास की सुविधा प्रदान करना;
- अपने समुदायों को सूचना, संग्रह, और कार्यक्रमों तक पहुँच प्रदान करने वाली डिजिटल तकनीकों के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से और दूरस्थ रूप से जब भी संभव हो सेवाएं प्रदान करना;
- सामाजिक ताने-बाने के मूल में पुस्तकालय की भूमिका की मान्यता में, सभी के लिए सभी प्रकार की सामुदायिक जानकारी और सामुदायिक संगठन के अवसरों तक पहुँच सुनिश्चित करना;

- अपने समुदायों को वैज्ञानिक ज्ञान तक पहुँच प्रदान करना, जैसे अनुसंधान के परिणाम और स्वास्थ्य जानकारी जो उनके उपयोगकर्ताओं के जीवन को प्रभावित कर सकती है, साथ ही साथ वैज्ञानिक प्रगति में भागीदारी को सक्षम करना;
- स्थानीय उद्यमों, संघों, और हित समूहों को पर्याप्त सूचना सेवाएं प्रदान करना;
- स्थानीय और देशज डेटा, ज्ञान, और विरासत (मौखिक परंपरा सहित) का संरक्षण करना और उन तक पहुँच प्रदान करना; एक ऐसा वातावरण सृजित करना जिसमें स्थानीय समुदाय अपनी इच्छाओं के अनुरूप, दर्ज, संरक्षित, और साझा करने के लिए सामग्री निश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभा सकता है;
- अंतर-सांस्कृतिक संवाद का प्रोत्साहन करना और सांस्कृतिक विविधता का समर्थन करना;
- सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों और विरासत के संरक्षण और उन तक सार्थक पहुँच, कलाओं की सराहना, तथा वैज्ञानिक ज्ञान, अनुसंधान व नई पद्धति, जैसा पारंपरिक मीडिया में व्यक्त है, और डिजिटाइज्ड या डिजिटली-उत्पन्न सामग्री तक निर्बाध पहुँच को बढ़ावा देना।

फंडिंग, विधान, और नेटवर्क

सार्वजनिक पुस्तकालय भवन और सेवाओं तक पहुँच सैद्धांतिक तौर पर नि:शुल्क होगी। सार्वजनिक पुस्तकालय स्थानीय और राष्ट्रीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इसे अंतरराष्ट्रीय संधियों और समझौतों से जुड़े विशिष्ट और नवीनतम कानून द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। इसे राष्ट्रीय और स्थानीय सरकारों द्वारा फाइनेंस किया जाना चाहिए। यह संस्कृति, सूचना प्रावधान, साक्षरता, और शिक्षा की किसी भी दीर्घकालिक कार्यनीति का एक आवश्यक अंग होना चाहिए।

डिजिटल युग में, कॉपीराइट और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी कानून को सार्वजनिक पुस्तकालयों को उचित शर्तों पर डिजिटल सामग्री प्राप्त करने और उस तक पहुँच देने की क्षमता सुनिश्चित करनी चाहिए, जैसा कि भौतिक संसाधनों के साथ मामला है।

राष्ट्रव्यापी पुस्तकालय समन्वय और सहयोग सुनिश्चित करने के लिए, कानून और कार्यनीतिक योजनाओं को सेवा के सहमत मानकों पर आधारित एक राष्ट्रीय पुस्तकालय नेटवर्क को निर्धारित करना और बढ़ावा देना चाहिए।

सार्वजनिक पुस्तकालय नेटवर्क को राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, अनुसंधान, और विशेष पुस्तकालयों के साथ-साथ स्कूलों, कॉलेजों, और विश्वविद्यालयों में पुस्तकालयों के संबंध में डिजाइन किया जाना चाहिए।

संचालन और प्रबंधन

स्थानीय समुदाय की जरूरतों के संबंध में उद्देश्यों, प्राथमिकताओं, और सेवाओं को परिभाषित करने वाली एक स्पष्ट नीति तैयार की जानी चाहिए। स्थानीय ज्ञान और सामुदायिक भागीदारी का महत्व इस प्रक्रिया के लिए अहम है, और स्थानीय समुदायों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए।

सार्वजनिक पुस्तकालय को प्रभावी ढंग से व्यवस्थित करना और संचालन के औपचारिक मानकों को बनाए रखा जाना चाहिए।

सेवाएं समुदाय के सभी सदस्यों के लिए भौतिक या डिजिटल रूप से सुलभ होनी चाहिएं। इसके लिए भली भांति स्थित और सुसज्जित पुस्तकालय भवनों व अच्छी पढ़ने और अध्ययन सुविधाओं के साथ-साथ उचित टैकनोलजी और उपयोगकर्ताओं की सुविधानुसार पर्याप्त खुलने का समय होने की आवश्यकता होती है। ठीक उसी प्रकार, जो पुस्तकालय आने में असमर्थ हैं, उन तक आउटरीच सेवाएं उपलब्ध हों।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समुदायों की विभिन्न आवश्यकताओं के साथ, पुस्तकालय सेवाओं को हाशिए के समूहों, विशेष आवश्यकताओं वाले उपयोगकर्ताओं, बहुभाषी उपयोगकर्ताओं, और समुदाय के भीतर देशीय लोगों की जरूरतों के लिए अनुकूलित किया जाना चाहिए।

पुस्तकालय अध्यक्ष उपयोगकर्ताओं व डिजिटल और पारंपरिक दोनों संसाधनों के बीच एक सक्रिय मध्यस्थ है। पर्याप्त मानव और भौतिक संसाधन, साथ ही साथ पुस्तकालय अध्यक्ष की पेशेवर और निरंतर शिक्षा, अभी और भविष्य में चुनौतियों का मुक़ाबला करने के लिए, उचित सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य हैं। पर्याप्त संसाधनों की मात्रात्मक और गुणात्मक परिभाषा के बारे में नेतृत्व द्वारा पुस्तकालय कार्यकारियों के साथ परामर्श किया जाना चाहिए।

उपयोगकर्ताओं को सभी संसाधनों से लाभान्वित करने में मदद करने के लिए आउटरीच और उपयोगकर्ता शिक्षा कार्यक्रम करने होंगे।

चल रहे अनुसंधान को पुस्तकालय के प्रभाव का मूल्यांकन करने और डेटा एकत्र करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, ताकि नीति निर्माताओं को पुस्तकालयों के सामाजिक लाभ का ब्योरा दिया जा सके। दीर्घकालिक तौर पर सांख्यिकीय डेटा एकत्र किया जाना चाहिए, क्योंकि समाज के भीतर पुस्तकालयों के लाभों को अक्सर बाद की पीढ़ियों में देखा जाता है।

साझेदारी

पुस्तकालयों के लिए व्यापक और अधिक विविध जनता तक पहुंचने के लिए साझेदारी स्थापित करना आवश्यक है। योग्य भागीदारों — जैसे कि, उपयोगकर्ता समूहों, स्कूलों, गैर-सरकारी संगठनों, पुस्तकालय संघों, व्यवसायों और स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्य पेशेवरों — के साथ सहयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

घोषणापत्र को लागू करना

राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों पर निर्णय निर्माताओं और दुनिया भर में फैले पुस्तकालय समुदाय से इस घोषणापत्र में व्यक्त सिद्धांतों को लागू करने का अनुरोध है।

इफ्ला गवर्निंग बोर्ड द्वारा समर्थित
18 जुलाई 2022